हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

02765

जून, 2017

एम.एच.डी.-19 : हिन्दी दलित साहित्य का विकास

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । **प्रथम** प्रश्न **अनिवार्य** है ।*

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *2×10=20*

(क) मेरे और तुम्हारे बीच एक रेतीला ढूह है
जो किसी अंधड़ का इन्तज़ार करने से पहले
किसी भी वक़्त फट सकता है
जिसके गर्भ से निकलेंगे
घृणा में लिपटे कुटिल शब्द
जिन्हें जलना होगा
दहकती भट्ठी में
रोटी की महक में बदलने के लिए ।

(ख) "यदि रामायण में राम
तपस्वी-धर्मनिष्ठ ब्राह्मणों का करते क़त्लेआम ।
तुलसीदास मानस में लिखते
पूजिए सूद्र सील गुन हीना ।
विप्र न गुन ग्यान प्रवीना ।
तब, तुम्हारी निष्ठा क्या होती ?"

(ग) तनाव बढ़ गया था । ख़ेमेबन्दी होने लगी । गंगाराम को यह देख कर सुखद आश्चर्य हुआ कि 'सम्मान' पाने के लिए सभी 'इतर' लालायित थे जो उसके छत्र तले आ खड़े हुए थे । गंगाराम अचानक अपने को बहुत ताक़तवर आदमी समझने लगा । रामकिशुन बाबू उसके सामने बौना लगने लगे थे ।

(घ) माँड़ में नमक मिलाकर पीने से अच्छा लगता था । यदि कभी-कभार गुड़ मिल जाता था तो माँड़ का स्वाद लज़ीज़ हो जाता था । माँड़ पीने की यह आदत किसी शौक़ या फ़ैशन की देन नहीं थी । अभावों और फ़ाकों से बचने की मजबूरी थी । फेंक देने वाली चीज़ हमारी भूख मिटाने वाली थी ।

2. "हिन्दी दलित कविता ने समाज के नवनिर्माण के लिए आवाज़ बुलंद की है ।" इस कथन का विश्लेषण कीजिए । *10*

3. पाठ्यक्रम में संकलित कहानियों के आधार पर दलित कहानीकारों एवं प्रेमचंद में समानता एवं अंतर स्पष्ट कीजिए । *10*

4. 'पच्चीस चौका डेढ़ सौ' कहानी के विभिन्न पक्षों का उद्घाटन कीजिए । *10*

5. 'अंगारा' कहानी की विशिष्टता पर एक निबन्ध लिखिए । *10*

6. 'आमने-सामने' कहानी में वर्णित राजनीतिक संघर्ष का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए । *10*

7. दलित आत्मकथाओं एवं ग़ैर-दलित लेखकों की आत्मकथाओं का तुलनात्मक विश्लेषण कीजिए । *10*